मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध में आहूत की गई समीक्षा बैठक दिनांक 14.11.2025 का कार्यवृत्त/दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश बिन्दु।

दिनांक 14.11.2025 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध में प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण), जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, टीम लीडर, टी0पी0आई0 तथा चयनित एजेंसी मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0) के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में की गई चर्चा एवं दिए गए निर्देशानुसार सभी सम्बन्धित अधिकारी को निम्न बिन्दुओं पर तत्काल अपेक्षित कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

- विकासखण्ड–मया बाजार के सम्बन्ध में श्री आलोक कुमार मिश्रा, सहा0अभि0 द्वारा अवगत कराया गया कि सरैया एवं सरायरासी पेयजल योजना के भूमि विवाद का निस्तारण कराकर कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। शेरवाघाट पेयजल योजना में पानी टंकी बनाने हेतु जो भूमि उपलब्ध करायी गई थी वह भूमि जनपद–बस्ती एवं अयोध्या मध्य बटवारे के विवाद के कारण पेयजल योजना का कार्य कराया जाना सम्भव नहीं पा रहा है। बनगांव पेयजल योजना में शिरोपरि जलाशय हेतु प्रस्तावित भूमि पर ग्रामीणों द्वारा विवाद उत्पन्न किया जा रहा है। जिसके संदर्भ में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कर भूमि विवाद का निस्तारण कराते हुए शीघ्र कार्य प्रारम्भ करायें।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा नामित सभी फर्मों को निर्देशित किया गया कि जहां पर भूमि विवाद का निस्तारण करा लिया गया है वहां पर तत्काल बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराना सुनिश्चित करें जिससे भविष्य में पुनः विवाद उत्पन्न न हो।
- प्रोजेक्ट मैनेजर, मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद द्वारा अवगत कराया गया कि 06 नग पेयजल योजनाओं पर द्वितीय नलकूप हेतु भूमि उपलब्ध नही है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि 1184 नग राजस्व ग्राम हेतु 535 नग पेयजल योजनाओं के सापेक्ष 336 नग पेयजल योजनाओं से 649 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या में नामित समस्त कुल रू0 187.00 करोड़ का बीजक लम्बित है, जिसमें रू0 129.97 करोड़ एस0डब्लू0एम0एम0 से एवं रू0 18.17 करोड़ खण्ड स्तर से लम्बित है एवं रू0 40.00 करोड़ फर्म द्वारा बीजक अपलोड़ नहीं किया गया है।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्मों को निर्देशित किया गया कि जहां–जहां वितरण प्रणाली बिछाये जाने हेतु सड़क काटी गई, परन्तु उनकी मरम्मत नहीं करायी गई है, निरीक्षण में यदि ऐसा प्रकरण प्रकाश में आता है तो फर्म के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। जनता में सड़क मरम्मत

को लेकर काफी आक्रोश है, फर्म द्वारा प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए मरम्मत का कार्य प्राथमिकता पर करायें।

- अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्मों को निर्देशित किया गया कि जहां–जहां वितरण प्रणाली में लीकेज है, परन्तु उनकी मरम्मत नहीं करायी गई है, निरीक्षण में यदि ऐसा प्रकरण प्रकाश में आता है तो फर्म के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी।

एजेंसीवार प्रगति की समीक्षा की गई जिसका विवरण निम्न है –

1. मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 03 नग पेयजल योजनाओं नामतः रौनाही, मुस्तफाबाद, विकासखण्ड–सोहावल एवं बिचाला, विकासखण्ड– रूदौली में शिरोपरि जलाशय के निर्माण का कार्य वर्तमान तक प्रारम्भ नहीं किया जा सका है। बिचाला एवं रौनाही पेयजल योजना में शिरोपरि जलाशय निर्माण हेतु पाइल की रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है, जबकि मुस्तफाबाद पेयजल योजना पर वृक्ष पातन का कार्य शेष है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा पाइल की रिपोर्ट में देरी के कारण रोष व्यक्त किया गया एवं निर्देश दिया गया कि एक सप्ताह में रिपोर्ट प्राप्त कर कार्य प्रारम्भ कर दें।
* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 283 नग राजस्व ग्राम हेतु 146 नग पेयजल योजनाओं के सापेक्ष 257 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है। शेष 26 नग राजस्व ग्रामों में शीघ्र नियमित जलापूर्ति किये जाने के निर्देश दिए गए।
* सड़क/मार्गों के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध में फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतम सड़क पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

2. मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म की प्रगति सन्तोषजनक न होने के कारण अधोहस्ताक्षरी द्वारा काफी रोष व्यक्त किया गया। साथ ही चेतावनी दी गई कि आगामी समीक्षा बैठक तक संतोषजनक प्रगति सुनिश्चित करें।
* शिरोपरि जलाशय के लक्ष्य 296 नग के सापेक्ष 292 नग स्थलों पर शिरोपरि जलाशय का कार्य प्रारम्भ, 184 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य पूर्ण है। जो विगत बैठक दिनांक 26.9.2025 से मात्र 4 नग शिरोपरि जलाशय की प्रगति हुई है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त करते हुए कहा गया कि आपके द्वारा प्रतिमाह 10–15 शिरोपरि जलाशय में वृद्धि का आश्वासन दिया गया था, परन्तु विगत 02 माह में मात्र 04 नग की वृद्धि की गई, जिस पर श्री संतोष ओझा, प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा कहा गया कि धन की अनुपलब्धता के कारण प्रगति बाधित है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि यदि कार्य कराने में सक्षम नही थे तो कार्य क्यों लिया गया, ऊपर मैनेजमेन्ट से वार्ता करते हुए कार्य प्रारम्भ करायें।
* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि कि 721 नग राजस्व ग्रामों हेतु 297 पेयजल योजनाओं के सापेक्ष 122 पेयजल योजनाओं 279 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है।

* सड़क/मार्गों के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध में फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतम सड़क पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

3. **मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,-गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –**

* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि कि 94 नग राजस्व ग्रामों के हेतु 48 पेयजल योजनाओं में 36 योजनाओं से 73 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है। शेष 21 नग राजस्व ग्रामों में शीघ्र नियमित जलापूर्ति किये जाने के निर्देश दिए गए।
* सड़क/मार्गों के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध में फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतम सड़क पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

4. **मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –**

* अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में फर्म द्वारा धनाभाव का बहान करते हुए कोई कार्य नही कराया जा रहा है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि यदि कार्य कराने में सक्षम नही थे तो कार्य क्यों लिया गया, ऊपर मैनेजमेन्ट से वार्ता करते हुए कार्य प्रारम्भ करायें। धनावंटन का वहाना न बनायें एवं कार्य को प्रारम्भ करें।
* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि मित्रसेनपुर पेयजल योजना विकासखण्ड– पूरा बाजार में द्वितीय ट्यूबवेल हेतु भूमि विवाद होने के कारण वर्तमान में कार्य बन्द है एवं पिरखौली पेयजल योजना विकासखण्ड– सोहावल में द्वितीय ट्यूबवेल हेतु भूमि उपलब्ध नहीं है इस पर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा पिरखौली में भूमि क्रय किये जाने हेतु निर्देश दिए गए।
* फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि कि 46 नग राजस्व ग्रामों हेतु 36 पेयजल योजनाओं में से 32 योजनाओं से 40 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है।
* सड़क/मार्गों के पुनर्स्थापना के सम्बन्ध में फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकतम सड़क पुनर्स्थापना का कार्य करा लिया गया है।

5. <u>आई0ई0सी0 –</u>

श्री अनुराग वर्मा, सी0वी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि 592 पम्पहाउस के सापेक्ष 372 पम्पहाउस पर आई0ई0सी0 संस्था मे0 संज्ञान के द्वारा पम्पहाउस पर एवं जनपद अयोध्या के सभी पंचायत घरों व प्राथमिक विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर वॉल पेन्टिग का कार्य कराया जा चुका है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि कराये गये कार्यों का फोटोग्राफ उपलब्ध करायें।

6. <u>आई0एस0ए0 –</u>

अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि इण्टर पर्सनल मीटिंग क्या है, वृहद बैठक में क्या करते हैं, प्रभात फेरी और हैण्डवास में आई0एस0ए0 द्वारा क्या क्रियाएं की जा रही है एवं मासिक महिला बैठक कैसे आयोजित की जा रही है। श्री इन्द्रभूषण वर्मा, डी0सी0, डी0पी0एम0यू0 द्वारा बताया गया कि मासिक महिला बैठक हर माह आयोजित की जाती है, जिसमें कम से कम 40 महिलाओं का होना अनिवार्य है। हैण्डवाश एवं प्रभात फेरी का कार्य

प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ आयोजित की जाती है जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि हैण्डवाश एवं प्रभात फेरी हेतु दिन का निर्धारण कर लें एवं हर सप्ताह में एक दिन इसका आयोजन करें।

श्री अमरजीत यादव, डिस्ट्रिक कोआर्डिनेटर, श्रद्धा सेवा समिति द्वारा बताया गया कि इण्टर पर्सनल मीटिंग में घर-घर जाकर जल जीवन मिशन के बारे में जानकारी दी जाती है, वृहद बैठक में प्रतिमाह ग्रांव के पुरूष एवं महिलाओं के साथ में बैठक करते हुए जल जीवन मिशन के बारे में जानकारी दी जाती है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कहा प्रत्येक ग्राम में स्वयं सहायता समूह से जुड़े लोगों की लिस्ट उपलब्ध करायें एवं उन्हें वृहद बैठक में सम्मिलित करें।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा सभी आई0एस0ए0 संस्थाओं को निर्देश दिया गया कि जो 150 पेयजल योजनाएं रख-रखाव एवं संचालन में चली गई है उनका सर्वे करते हुए आगामी बैठक में प्रस्तुतीकरण प्रदर्शित करें जिसमें उन योजनाओं में क्या समस्या चल रही है, पानी की सप्लाई चालू है अथवा नही, किन स्थानों पर लीकेज है एवं ग्रामीणों की क्या समस्या है? का उल्लेख करें।

कार्यालय– मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या

पत्रांक S027 / M-27 / 166 दिनांक : 09/12/2025

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. जिलाधिकारी महोदय, अयोध्या को सादर अवलोकनार्थ।
2. अधीक्षण अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
3. अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
4. समस्त उपजिलाधिकारी, अयोध्या को इस आशय से प्रेषित कि अपने से सम्बन्धित क्षेत्र की योजनाओं में भूमि उपलब्ध नहीं है अथवा भूमि विवादित है, का निस्तारण कराने का कष्ट करें।
5. समस्त खण्ड विकास अधिकारी को इस निर्देश के साथ कि पूर्ण योजनाओं के हर घर जल प्रमाणीकरण हेतु ग्राम पंचायत सचिव से सत्यापन कराकर प्रमाणीकरण का कार्य कराएं।
6. डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0, अयोध्या।
7. टीम लीडर, टी0पी0आई0, अयोध्या यूनिट।
8. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0– एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0)।

Digitally signed by Krishan Kumar Singh
Date: 08-12-2025 12:16:47

(कृष्ण कुमार सिंह)
मुख्य विकास अधिकारी
अयोध्या।